भारतीय भाषा उत्सव

Date: 11/12/2024

भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भाषाई विविधता और राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "अनेकता में एकता" था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीन प्रो. विपुल शर्मा द्वारा किया गया । उन्होंने अपने संबोधन में भारतीय भाषाओं की विविधता पर प्रकाश डाला और इसे राष्ट्रीय एकता का आधार बताया। उन्होंने कहा, "कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी" भारत की भाषाई समृद्धि को दर्शाता है।

इसके बाद डॉ. सुनील पंवार ने महाकवि भारती की कविताओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि महाकवि भारती ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में समानता और स्वतंत्रता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

श्री प्रशांत कौशिक ने भाषाई विविधता को सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए कहा कि क्षेत्रीय भाषाएँ हमारी पहचान को सुदृढ़ करती हैं। इस अवसर पर उन्होंने “तुम चाहती हो” शीर्षक पर अपनी स्वरचित कविता का भी पाठ किया और कहा भाषा ही विचार है और हर भाषा की अपनी अपनी सुंदरता है।वहीं, श्री गजेंद्र सिंह ने भारतीय भाषाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री ऋषि प्रजापति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति का वाहक भी है। डॉ. सुयश भारद्वाज ने "अनेकता में एकता" पर अपने विचार रखे दी और इसे भारत की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

अंत में, श्री प्रवीण पांडे ने तुम स्वयं ज्योति हो माँ पर चार पंक्ति सुनाते हुए अपनी बात की रखी तथा की तथा उत्तर प्रदेश में बोली जाने वाली भाषाओं में से प्रमुख अवधी भाषा में अमावस का मेला कविता पर अपनी प्रस्तुति दी।

भाषा उत्सव के कार्यक्रम के साथ आज संकाय में में गीता जयन्ती के अवसर पर गीता के श्लोकों का भी पाठ किया गया। प्रो ° विपुल शर्मा जी ने बताया की गीता जयंती भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश की स्मृति में मनाई जाती है और गीता जीवन का मार्गदर्शन करती है तथा धर्म, कर्म, और ज्ञान का संदेश देती है।

कार्यक्रम में छात्रों के द्वारा कविता पाठ कर भारतीय भाषाओं की विविधता और महत्व का परिचय दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन देते हुए डा° लोकेश कुमार जोशी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को अपनी मातृभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं की महत्ता समझने का अवसर प्रदान करते हैं।कार्यक्रम भाषाई एकता और सांस्कृतिक समृद्धि के संदेश को देते हुए सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रो. मयंक अग्रवाल, डॉ. सुयश भारद्वाज, डॉ. निशांत कुमार, डॉ. अमन त्यागी, श्री. अश्वनी, श्री. अमन, श्री. कुलदीप और श्री. मुकेश उपस्थित थे।

Attendance

Shiva Krishna 3rd year, Krishna Chaitanya 3rd year, Nikhil sharma, kumar Rowshan, Devansh, Yuvraj Gound, Kartik, Kunal, Shivam Chauhan and Paras.